आउटकम बजट 2024–25

विभाग का नाम :– ऊर्जा विभाग (पॉवर ट्रान्समिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0 (पिटकुल))

विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित प्रमुख एस0डी0जी0:– एस0डी0जी0–7

(धनराशि रू0 लाख में)

योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		1/4/2023 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31/3/2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक स्थिति)	परिकल्पित (प्रोजेक्टड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टड) आउटकम वर्ष 2024–25	आउटकम हेतु सम्भावित समयवधि
		राजस्व	पूंजीगत					
उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम (ए0डी0बी0 वित्तपोषित योजना)	उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम के माध्यम से केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्रो को आवंटित विद्युत परियोजनाओं के द्वारा उत्पादित ऊर्जा का सुचारू निष्कासन किया जाना है।		**30040.98**	0 प्रतिशत	0 प्रतिशत (निविदा प्रक्रियाधीन है)	उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम एवं उत्तराखण्ड के पारेषण तंत्र को सुदृढ करने हेतु प्रमुख परियोजनायें मुख्य हैः– • 400/220 के0वी0 लन्ढौरा एवं सम्बन्धित 400 के0वी0/220 के0वी0 की पारेषण लाईन। • 220/33 के0वी0 जी0आई0एस0 उपसंस्थान सेलाकुई एवं सम्बन्धित लाईन। • 220/132/33 के0वी0 उपसंस्थान मंगलौर एवं 220 के0वी0/132 के0वी0 की पारेषण लाईन। • 132/33 के0वी0 जी0आई0एस0 उपसंस्थान आराघर, लोहाघाट, धौलाखेड़ा, खटीमा एवं सम्बन्धित लाईन। • 132 के0वी0 काटगोदाम–रूद्रपुर लाईन • लीलो ऑफ 132 के0वी0 सीतारगंज लाईन • 132 के0वी0 पिथौरागढ़–चम्पावत द्वितीय सर्किट।	विभिन्न हाइड्रो परियोजनाओं द्वारा उत्पादित ऊर्जा सीधे प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र से जुडेगी तथा प्रदेश के उपभोक्ताओं को कम लागत की जल विद्युत ऊर्जा की प्राप्ति होगी।	4 वर्ष

राज्य सेक्टर (आर0ई0सी0, नाबार्ड व पी0एफ0सी पोषित योजना)	आर0ई0सी0 तथा पी0एफ0सी0 पोषित योजनाओं के माध्यम से पारेषण लाईनों तथा उपसंस्थानों का निर्माण, सुट्ठढ़ीकरण तथा केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्रो को आवंटित विद्युत परियोजनाओं के द्वारा उत्पादित ऊर्जा का सुचारू निष्कासन किया जाना है।		**5000.00**	68 प्रतिशत (09 परियोजनायें निर्माणाधीन)	74 प्रतिशत (05 परियोजनायें निर्माणाधीन एवं 04 परियोजनाओं को वित्त वर्ष 2023–24 में पूर्ण करना लक्षित है जिसमें से 01 परियोजना पूर्ण कर ली गई है)	राज्य सेक्टर योजना के अन्तर्गत उत्तराखण्ड ट्रांसमिशन सिस्टम हेतु (आर0ई0सी0 / पी0एफ0सी / नाबार्ड (एन0आई0डी0ए0) वित्त पोषित योजना) विभिन्न लाईनों एवं उपसंस्थान के निर्माण कार्यों हेतु मुख्य परियोजनायें निम्नवत् हैः– • 400 के0वी0 पीपलकोटी–श्रीनगर लाईन (पैकेज 1,2 एवं 3) • 220 के0वी0 उपसंस्थान बरम। • 220 के0वी0 डबल सर्किट लाईन टॉवर सं0 27 से 400 के0वी0 उपसंस्थान पी0जी0सी0आई0एल0 जौलजीवी तक। • 400 के0वी0 तपोवन–विष्णुगाढ़–पीपलकोटी लाईन तथा पीपलकोटी पर 400 के0वी0 विष्णुगाढ़ मुजफ्फरनगर लीलो का निर्माण कार्य।	विद्युत आपूर्ति में सुधार होगा एवं वोल्टेज में सुधार के साथ गुणवत्ता युक्त विद्युत आपूर्ति प्रदेश के उपभोक्ताओं को प्राप्त होगी।	1.5 वर्ष

सतत विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूपः–

क्र0 सं0	एस0डी0जी0 संकेतक	1/4/2023 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31/3/2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2024–25	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) 2024–25
1.	बाह्य सहायतित योजना एस0डी0जी0–7 (प्रस्तावित)	0 प्रतिशत	0 प्रतिशत (निविदा प्रक्रियाधीन है)	उत्तराखण्ड इन्टीग्रेटीड ट्रासमिशन सिस्टम एवं उत्तराखण्ड के पारेषण तंत्र को सुदृढ करने हेतु प्रमुख परियोजनायें मुख्य है। • 220 के0वी0 उपसंस्थान थल एवं सम्बन्धित लाईन। • 400 के0वी0 उपसंस्थान खुर्पिया फार्म एवं सम्बन्धित लाईन। • 220 के0वी0 उपसंस्थान अल्मोडा एवं सम्बन्धित लाईन। • 132 के0वी0 **महुआखेड़ागंज–जसपुर लाईन** (23.32 कि0मी0) • 132 के0वी0 उपसंस्थान **सरवरखेड़ा (उधमसिंह नगर)**	विभिन्न हाइड्रो परियोजनाओं द्वारा उत्पादित ऊर्जा सीधे प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र से जुडेगी तथा प्रदेश के उपभोक्ताओं को कम लागत की जल विद्युत ऊर्जा की प्राप्ति होगी।
	राज्य सैक्टर योजना एस0डी0जी0–7 (प्रस्तावित)	68 प्रतिशत (09 परियोजनायें निर्माणाधीन)	74 प्रतिशत (05 परियोजनायें निर्माणाधीन एवं 04 परियोजनाओं को वित्त वर्ष 2023–24 में पूर्ण करना लक्षित है जिसमें से 01 परियोजना पूर्ण कर ली गई है)	उत्तराखण्ड ट्रासमिशन सिस्टम हेतु (आर0ई0सी0/पी0एफ0सी/नाबार्ड वित्त पोषित योजना) राज्य सेक्टर योजना के अन्तर्गत विभिन्न लाईनों एवं उपसंस्थान के निर्माण कार्यों हेतु मुख्य परियोजनायें है। • 220 केवी उपसंस्थान **घनसाली,** राज्य सेक्टर • 400 के0वी0 स्वीचिंग उपकेन्द्र **पीपलकोटी**, राज्य सेक्टर • 220 के0वी0 रायपुर, रूड़की क्षेत्र में उपसंस्थान एवं सम्बन्धित लाईन	विद्युत आपूर्ति में सुधार होगा एवं वोल्टेज में सुधार के साथ गुणवत्ता युक्त विद्युत आपूर्ति प्रदेश के उपभोक्ताओं को प्राप्त होगी।

वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु (माह अक्टूबर 2023 से मार्च 2024 तक) पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड द्वारा मुख्यतः प्रस्तावित नई परियोजनाएं (ए0डी0बी0 वित्त पोषित) के अर्न्तगत गढ़वाल क्षेत्र में 400 के0वी0 उपसंस्थान पीपलकोटी (जानपदीय कार्य), 220/132/33 के0वी0 उपसंस्थान मंगलौर (जानपदीय कार्य) एवं 400/220 के0वी0 लन्ढौरा (जानपदीय कार्य) में तथा कुमांऊ क्षेत्र के अर्न्तगत 132 के0वी0 उपसंस्थान लोहाघाट, 132 के0वी0 उपसंस्थान धौलाखेड़ा (जानपदीय कार्य) तथा 132 के0वी0 उपसंस्थान खटीमा (जानपदीय कार्य) में किया जाना प्रस्तावित है।

आय व्ययक 2024–25 हेतु पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड द्वारा मुख्यतः प्रस्तावित नवीन परियोजनाओं (ए0डी0बी0 वित्त पोषित) के अर्न्तगत गढ़वाल क्षेत्र में 400/220 के0वी0 लन्ढौरा एवं सम्बन्धित लाईन, एनटीपीसी (520 मेगावाट) एवं टीएचडीसी एचईपी (444 मेगावाट) से उत्पादित विद्युत निकासी हेतु 400 के0वी0 पीपलकोटी–श्रीनगर लाईन (पैकेज 1,2 एवं 3) का निर्माण, 220/33 के0वी0 जी0आई0एस0 उपसंस्थान सेलाकुई एवं सम्बन्धित लाईन, 220/132/33 के0वी0 उपसंस्थान मंगलौर, 132/33 के0वी0 जी0आई0एस0 उपसंस्थान आराघर एवं सम्बन्धित लाईन, 132 के0वी0 उपसंस्थान लोहाघाट, धौलाखेड़ा तथा खटीमा में गैर जानपदीय एवं जानपदीय कार्य हेतु कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त 132 के0वी0 काटगोदाम–रूद्रपुर, लीलो ऑफ 132 के0वी0 सीतारगंज एवं 132 के0वी0 पिथौरागढ़–चम्पावत द्वितीय सर्किट का कार्य प्रस्तावित है